राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत सरकार

एक दिवसीय वैज्ञानिक संगोष्ठी
" प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान एवं पूर्व चेतावनी प्रणाली "
दिनांक 19 मार्च 2024

मुख्य अतिथि : श्री कमल किशोर
सदस्य सचिव
राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार

अंबर सभागार, राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र
ए- 50, सेक्टर- 62, नोएडा, उत्तर प्रदेश- 201309

कार्यक्रम में भाग लेने या प्रस्तुतीकरण हेतु कृपया नीचे दिये लिंक पर पंजीकरण करें अथवा ई-मेल से संपर्क करें;
https://docs.google.com/forms/d/14QdB-cSIZSQGe29H2w8a-qTiZffKZLeaV8F3Z4ozYik/edit

Email: akhilesh.m@gov.in, Phone: 0120-2419418 Mobile: 9549091380

राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत संचालित मौसम और जलवायु मॉडलिंग में उत्कृष्टता का एक प्रसिद्ध केंद्र है। हमारा समर्पित मिशन भारत और इसके पड़ोसी क्षेत्रों में अधिकतम विश्वसनीयता सुनिश्चित करते हुए संख्यात्मक मौसम पूर्वानुमान प्रणालियों का लगातार शोध एवं विकास करते रहना है। व्यापक अनुसंधान, विकास और नवीन अनुप्रयोगों के प्रदर्शन के माध्यम से, हम अपने क्षेत्र में उच्चतम स्तर के ज्ञान, कौशल और तकनीकी विशेषज्ञता को बनाए रखने का प्रयास करते हैं।

भारत का पहला सुपर-कम्प्यूटर वर्ष 1988 में केंद्र पर स्थापित किया गया

मौसम एवं जलवायु के पूर्वानुमान हेतु पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराया गया सुपर-कम्प्यूटर "मिहिर"

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव डॉ रविचंद्रन मंत्री महोदय को सुपर-कम्प्यूटर सुविधा "मिहिर" का भ्रमण कराते हुये।

केंद्र की स्थापना वर्ष 1988 में हुई जब देश का पहला सुपर-कम्प्यूटर भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराया गया। विगत वर्षों में लगातार इस सुविधा का उन्नति करण किया जाता रहा । वर्तमान में स्थापित सुपर कम्प्यूटर 2.8 पेटा-फ्लॉप कम्प्यूटिंग पावर तथा 2320 नोड्स के साथ देश की सेवा में कार्यरत है।

गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा दिये दिशा-निर्देशों के अंतर्गत राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र, नोएडा में दिनांक १९ मार्च २०२४ (मंगलवार) को "**प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान एवं पूर्व-चेतावनी प्रणाली**" विषय पर हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इस वैज्ञानिक संगोष्ठी में पृथ्वी विज्ञान से जुड़ी हुई विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं उनके पूर्वानुमान तथा पूर्व-चेतावनी प्रणाली पर वक्तव्य प्रस्तुत किए जाएंगे।

कार्यक्रम में भूकंप, चक्रवात, वायु प्रदूषण, भू-स्खलन, बाढ़, आँधी तूफान तथा वज्रपात जैसे विषयों पर प्रस्तुतीकरण दिये जाएंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य सचिव **श्री कमाल किशोर** जी होंगे । विशिष्ट अतिथि वक्ता पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की वरिष्ठ वैज्ञानिक **डॉ कमलजीत रे** तथा राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के निदेशक **डॉ ओम प्रकाश मिश्रा** जी ने भी संगोष्ठी में शामिल होने की स्वीकृति दी है।

वैज्ञानिक संगोष्ठी का उद्देश्य राजभाषा के प्रचार प्रसार के साथ देश के विभिन्न क्षेत्रों में आने वाली प्राकृतिक आपदाओं, उनकी पूर्वानुमान प्रणालियों तथा पूर्व-चेतावनी प्रणाली के बारे में और विमर्श करना है।

मुख्य अतिथि : श्री कमल किशोर

सदस्य सचिव

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार

अतिथि वक्ता

डॉ कमलजीत रे

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

भारत सरकार

अतिथि वक्ता

डॉ ओम प्रकाश मिश्रा

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र